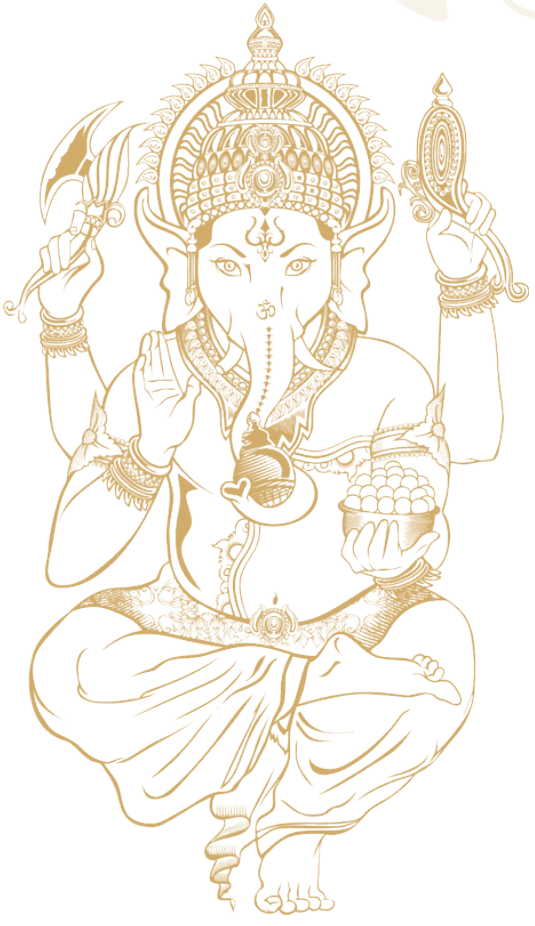

Harsh

03 Oct 2013

12:45 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119634602

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
03/10/2013	जन्म तिथि	**03/10/2025**
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	14:23:37 घंटे
घटी 16:14:21	जन्म समय(घटी)	20:20:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:15	सूर्योदय	06:15:18
18:04:40	सूर्यास्त	18:04:33
24:03:07	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:04

धनु	लग्न	मकर
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
सिंह	राशि	मकर
सूर्य	राशि-स्वामी	शनि
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	धनिष्ठा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	1
शुक्ल	योग	धृति
विष्टि	करण	विष्टि
टू-टूंगर	जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मार्जार
12	गत/तत्कालिक वर्ष	13

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मूल	4	10:03:02	धनु		
हस्त	2	16:11:35	कन्या		
पू०फाल्गुनी	4	25:13:17	सिंह		
आश्लेषा	4	28:36:24	कर्क		
स्वाति	2	10:42:16	तुला		
पुनर्वसु	2	24:32:02	मिथु		
विशाखा	4	01:00:58	वृश्चि		
स्वाति	3	16:12:18	तुला		
स्वाति	3	13:53:40	तुला	व	
भरणी	1	13:53:40	मेष	व	
उ०भाद्रपद	4	16:29:23	मीन	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मक	04:53:46	3	उत्तराषाढ़ा
सूर्य			कन्या	16:11:35	2	हस्त
चंद्र			मक	26:01:29	1	धनिष्ठा
मंगल			तुला	13:15:50	2	स्वाति
बुध		अ	तुला	00:41:32	3	चित्रा
गुरु			मिथु	28:31:41	3	पुनर्वसु
शुक्र			सिंह	22:46:24	3	पू०फाल्गुनी
शनि	व		मीन	03:21:44	1	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	24:00:29	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	24:00:29	4	पू०फाल्गुनी
मु	व		धनु	10:03:02	4	मूल

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

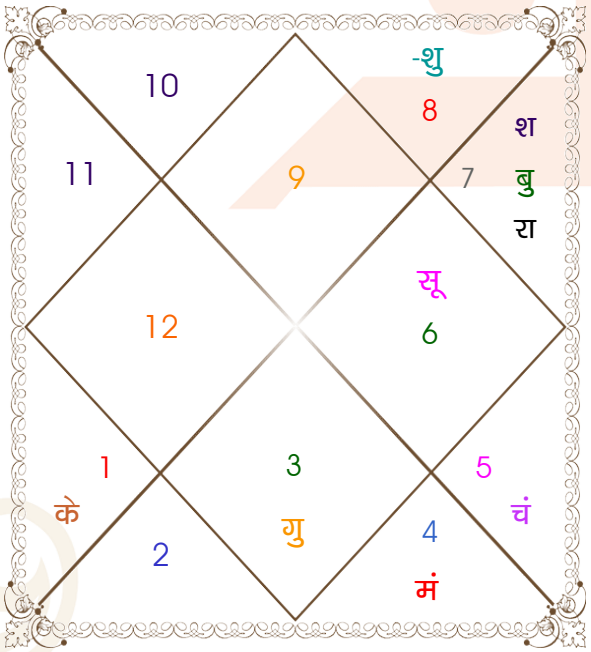

वर्ष लग्न कुंडली

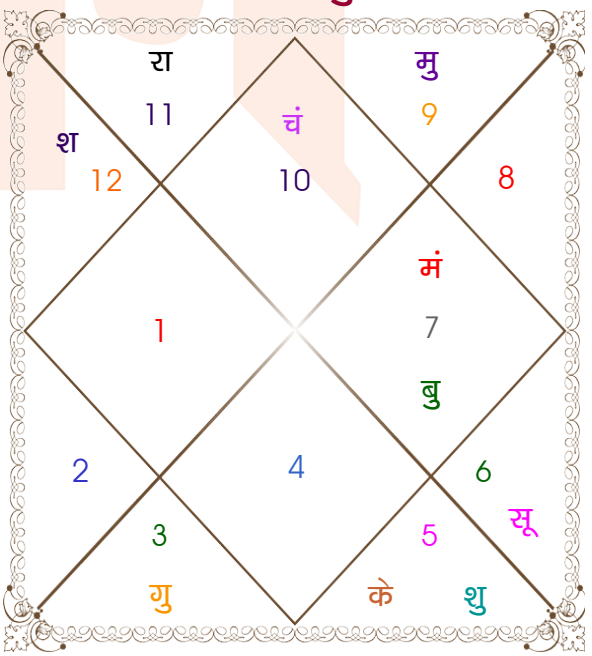

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - गुरु - सूर्य	
19/09/2025 18:02	
14/10/2025 02:26	
सूर्य	20/09/2025 23:15
चंद्र	22/09/2025 23:57
मंगल	24/09/2025 10:03
राहु	28/09/2025 01:42
गुरु	01/10/2025 07:38
शनि	05/10/2025 04:09
बुध	08/10/2025 14:57
केतु	10/10/2025 01:02
शुक्र	14/10/2025 02:26

चंद्र - गुरु - चंद्र	
14/10/2025 02:26	
23/11/2025 16:26	
चंद्र	17/10/2025 11:36
मंगल	19/10/2025 20:25
राहु	25/10/2025 22:31
गुरु	31/10/2025 08:23
शनि	06/11/2025 18:36
बुध	12/11/2025 12:35
केतु	14/11/2025 21:24
शुक्र	21/11/2025 15:44
सूर्य	23/11/2025 16:26

चंद्र - गुरु - मंगल	
23/11/2025 16:26	
22/12/2025 02:14	
मंगल	25/11/2025 08:12
राहु	29/11/2025 14:29
गुरु	03/12/2025 09:23
शनि	07/12/2025 21:20
बुध	11/12/2025 21:55
केतु	13/12/2025 13:42
शुक्र	18/12/2025 07:20
सूर्य	19/12/2025 17:25
चंद्र	22/12/2025 02:14

चंद्र - गुरु - राहु	
22/12/2025 02:14	
05/03/2026 03:26	
राहु	02/01/2026 01:13
गुरु	11/01/2026 18:59
शनि	23/01/2026 08:34
बुध	02/02/2026 16:56
केतु	06/02/2026 23:12
शुक्र	19/02/2026 03:24
सूर्य	22/02/2026 19:04
चंद्र	28/02/2026 21:10
मंगल	05/03/2026 03:26

चंद्र - शनि - शनि	
05/03/2026 03:26	
04/06/2026 17:01	
शनि	19/03/2026 15:23
बुध	01/04/2026 14:43
केतु	06/04/2026 22:54
शुक्र	22/04/2026 05:10
सूर्य	26/04/2026 19:03
चंद्र	04/05/2026 10:11
मंगल	09/05/2026 18:22
राहु	23/05/2026 12:01
गुरु	04/06/2026 17:01

चंद्र - शनि - बुध	
04/06/2026 17:01	
25/08/2026 15:17	
बुध	16/06/2026 07:35
केतु	21/06/2026 02:17
शुक्र	04/07/2026 17:59
सूर्य	08/07/2026 20:18
चंद्र	15/07/2026 16:09
मंगल	20/07/2026 10:51
राहु	01/08/2026 17:48
गुरु	12/08/2026 15:58
शनि	25/08/2026 15:17

चंद्र - शनि - केतु	
25/08/2026 15:17	
28/09/2026 08:55	
केतु	27/08/2026 14:31
शुक्र	02/09/2026 05:27
सूर्य	03/09/2026 21:56
चंद्र	06/09/2026 17:24
मंगल	08/09/2026 16:38
राहु	13/09/2026 18:05
गुरु	18/09/2026 06:02
शनि	23/09/2026 14:13
बुध	28/09/2026 08:55

चंद्र - शनि - शुक्र	
28/09/2026 08:55	
02/01/2027 18:10	
शुक्र	14/10/2026 10:28
सूर्य	19/10/2026 06:08
चंद्र	27/10/2026 06:54
मंगल	01/11/2026 21:50
राहु	16/11/2026 08:49
गुरु	29/11/2026 05:15
शनि	14/12/2026 11:31
बुध	28/12/2026 03:14
केतु	02/01/2027 18:10

चंद्र - शनि - सूर्य	
02/01/2027 18:10	
31/01/2027 16:09	
सूर्य	04/01/2027 04:52
चंद्र	06/01/2027 14:42
मंगल	08/01/2027 07:11
राहु	12/01/2027 15:17
गुरु	16/01/2027 11:49
शनि	21/01/2027 01:41
बुध	25/01/2027 04:00
केतु	26/01/2027 20:29
शुक्र	31/01/2027 16:09

चंद्र - शनि - चंद्र	
31/01/2027 16:09	
20/03/2027 20:46	
चंद्र	04/02/2027 16:32
मंगल	07/02/2027 12:00
राहु	14/02/2027 17:30
गुरु	21/02/2027 03:43
शनि	28/02/2027 18:51
बुध	07/03/2027 14:42
केतु	10/03/2027 10:10
शुक्र	18/03/2027 10:56
सूर्य	20/03/2027 20:46

चंद्र - शनि - मंगल	
20/03/2027 20:46	
23/04/2027 14:25	
मंगल	22/03/2027 20:00
राहु	27/03/2027 21:27
गुरु	01/04/2027 09:24
शनि	06/04/2027 17:35
बुध	11/04/2027 12:17
केतु	13/04/2027 11:31
शुक्र	19/04/2027 02:28
सूर्य	20/04/2027 18:56
चंद्र	23/04/2027 14:25

चंद्र - शनि - राहु	
23/04/2027 14:25	
19/07/2027 08:20	
राहु	06/05/2027 14:42
गुरु	18/05/2027 04:17
शनि	31/05/2027 21:56
बुध	13/06/2027 04:52
केतु	18/06/2027 06:19
शुक्र	02/07/2027 17:18
सूर्य	07/07/2027 01:24
चंद्र	14/07/2027 06:53
मंगल	19/07/2027 08:20

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।